मेडशी- पुलिस ने किया बाधित क्षेत्र में अनाज का वितरण, पुलिस है तो, मुंमकिन है दि.17/04/2020.

ग्राम मेड़शी पुलिस के नियंत्रण में

पुलिस ने किया बाधित क्षेत्र में अनाज का वितरण

संवाददाता | मेड़शी

वाशिम जिले में पहला कोरोनाग्रस्त मरीज पाए जाने से गांव का नाम राज्यपटल पर आ गया और गांव की चर्चा शुरु हो गई। कोरोनाग्रस्त गांव होने से मेड़शी प्रशासन की नजर में एक शापित गांव साबित हुआ। जिले के अन्य निवासियों को गांव में आने पर कहीं कोरोना की चपेट में तो नहीं आ जाएंगे, इस मनोवृत्ति ने घेर रखा है। गांव में आने के लिए एक भी अधिकारी हिम्मत नहीं जुटाता दिखाई दे रहा है। ऐसे में जिला पुलिस अधीक्षक वसंत परदेशी ने गांव को दो मर्तबा भेंट दी और सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथही पुलिस अधिकारी व पुलिस कर्मचारियों को कार्य में कोताही बरतने पर बर्दाश्त नहीं किए जाने की हिदायत भी दी। पुलिस कर्मचारियों समेत ग्राम सुरक्षा दल के साथ चर्चा कर समस्या जानीं। ग्राम मेड़शी में एक कोरोनाग्रस्त मरीज पाए जाने से मेड़शी 3 किलोमीटर को सील करने का दावा जिला प्रशासन ने किया था, जबकि प्रत्यक्ष रुप में गांव में बेरोकटोक गतिविधियां जारी थी। गांव को सील करने का अधिकार किसके पास है, यह किसी को पता नहीं था।

तहसीलदार रवि काले ने गांव सील होने की बात पंचायत समिति सदस्या कौशल्या रामभाऊ साठे को कही थी, किन्तु साठे द्वारा गांव सील नहीं किए जाने की बात कहने के बावजूद उन्होंने कोई भी कार्रवाई नहीं की। तब स्वयं जिला पुलिस अधीक्षक वसंत परदेशी ने ग्राम मेड़शी को भेंट देकर बाधित क्षेत्र सील करने की कार्रवाई किए जाने के बाद दहशत से गुजरते गांव में स्थिति सुधरने लगी। पुलिस अधीक्षक समय-समय पर गांव को भेंट देकर निरीक्षण कर रहे हैं। मालेगांव के थानेदार आधारसिंह सोनोने गांव को समय-समय पर भेंट दे रहे है और गांव में स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस कर्मचारी रात-दिन बंदोबस्त पर तैनात है। लॉकडाउन, कर्फ्यू व सामाजिक अंतर रखने का सख्ती से पालन किया जा रहा है।

तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डा. संतोष बोरसे, डा. श्रीकांत करवते, स्वास्थ्य कर्मचारी शेख अनिस कुरेशी, आशा वर्कर प्रमिला राठोड़ बाधित क्षेत्र में रिस्क लेकर नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच कर रहे हैं। सरपंच रेखा संतोष मेटांगे, ग्रामसेवक मोहन वानखड़े प्रतिबंधकात्मक उपाय योजना कर रहे हैं। ग्राम सुरक्षा दल के शौकत पठान, ज्ञानदेव साठे, विनोद तायडे, शेख जमीर, ज्ञानेश्वर मुंडे, प्रदीप तायडे, प्रसाद पाठक, धीरज मंत्री, संतोष मेटांगे, वैभव तायडे, संजय भागवत, शेख अकरम, अमोल माकोडे, मूलचंद चव्हाण, सुधाकर चोथमल, शेख जावेद शेख उस्मान, मुकेश चव्हाण, बालू घुगे, राजकुमार राठोड़, दत्ता काले, मंडल अधिकारी इंगले, पटवारी दत्तराव घुगे, बानाइत आदि सदस्यों द्वारा जान की परवाह न करते हुए पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करने से संपूर्ण परिस्थिति नियंत्रण में है। किन्तु वोटों की भीख मांगनेवाले एक भी जनप्रतिनिधि द्वारा गांव को भेंट नहीं देने से उनके प्रति नागरिकों में रोष दिखाई देता है। इस बीच वर्दी के भीतर छुपी मानवता के दर्शन पुलिस करवा रही हैं। जिला पुलिस अधीक्षक वसंत परदेशी ने ग्राम सुरक्षा दल के साथ चर्चा कर बाधित क्षेत्र समेत ग्रामीणों की समस्याएं जानीं। पुलिस विभाग का यहां पर कड़ा पहरा होने से कोरोना संसर्ग के फैलाव पर रोक लगती दिखाई दे रही है। थानेदार आधारसिंह सोनोने ने बाधित क्षेत्र के लोगों की समस्या जानकर उन्हें जीवनावश्यक वस्तुओं का वितरण किया। पुलिस विभाग ही आज मेड़शी का सच्चा हितैषी बनकर खड़ा दिखाई दे रहा है। जिला प्रशासन द्वारा ग्राम मेड़शी को सील किए जाने की घोषणा की, मात्र ऐसा नहीं किए जाने से जिला पुलिस अधीक्षक वसंत परदेशी ने स्वयं आकर बाधित क्षेत्र सील किया, अन्यथा परिस्थिति नियंत्रण से बाहर होने की पूरी संभावना दिखाई दे रही थी।

दैनिक भास्कर
Fri, 17 April 2020
https://epaper.bhaskarhindi.com/c/51032650